तुबारि

www.pangi.in
अब अंग्रेजी, हिन्दी त पंगवाड़ी भाषा अन्तर असी।

Issue 70; 04/01/2018

₹ 5/

बिषय सूची

1. टाई नकम्मे पंडित 1
2. मीठि बोके 2
3. बुटे की असे? 2
4. बिड़ी सरगट ना पीए। 2
5. ई 2
6. पांगेई बारे कुछ बोक 3
7. रिश्ता 4
7. शहीदे अखिरी बोके 4
8. चुटकुले 4

अपु लेख, विचार, कथा, कविता तुबारि अन्तर छपाण जे दुतो पता पुठ लंघाए।

हें पता:

तुबारि पत्रिका
हरी जरनल स्टोर,
किलाड़,
त: पांगी घाटि,
जिला: चंबा,
हिमाचल प्रदेश।
पिन. 176323

तुबारि पढ़णे वाड़ी तुबारि टिमे कनारा नोई साले मुबारक। तुस सोभ मेहणू फियूड़ ई फुलो लोते, ढुबी ई बासो लोते।

क	वा	स	क	रे	ल	प	ट	ट	ण
फा	ट	ब	श	म	व	म	बि	ई	गो
कु	फं	अ	स	न	क	न	क	खा	टे
पु	श	पा	र	पुं	टो	गा	तु	बा	बा
न	क	द	च	थ	गु	ण	खा	उ	उ
क	न	म	चु	री	ज	म	त	ब	क
र	स	ल	श	ए	न	क	बी	रा	था
कं	श	रो	ड़	मे	नी	णी	री	व	थ
स	उ	न	मु	श	ब	ल	ला	ण	रो
ब	जा	उ	ली	शु	न	उ	भो	न	श

टाई नकम्मे पंडित

यक रोज किछ पंडित जे अपफ पुठ सुआ रोभ किढ़तेथ दूर देश जे घेण लगो थिए। घेंते-घेंते से रामू ग्रां पुजे। तठि घेई कइ से पुछुण लगे कि "इस जगाई कोउं सोबी केईया ज्यादा बुध्दिमान असा?" तोउं तेस ग्रांए मेहणु रामू तेन्के समाणी अण्हता। तोउं तेन्हि पंडिती बुचा यक जेईं तेस केईया पुछुण लगा, "धरती सुसुर बुच कोठि असा?" रामू बोता "मैं सुमले कनारी थुरी बुच।" "पेहला पंडित पुछता "तोउ केईं की सबूत असा।"

रामू बोता, "अगर तु विश्वास ना कता त नाफ कइ हेर।" पर पेहला पंडित केईं तसे जबाव न थिआ। से चुप भोई गा।

तोउं दोका पंडित पुछु, "अम्मर अन्तर कत तारे असे?" रामू बोलु, "जेति मैं खच्चरे रले असी, अम्मर अन्तर तत तारे असे।"

दोका पंडित बोता, "तोउ केईं की सबूत असा?"

रामू बोता, "अगर तोउ मोउं पुठ विश्वास नेई त गा मैं खच्चरे रले गिण कइ हेर।"

दोका पंडित बोता, "ए सोब बकवास बोके भींथ। कोउं जेईं खच्चरे रले गिणण बिश्ता।"

रामू बोता, "अच्छा! त कोउं जेईं ईं असा, जे तारे गिण सकता। अगर इ बोक बकवास भो त से बोक बि बकवास भो।"

दोका पंडित इ शुण कइ चुप भोई गा।

टेका पंडित रामू जबाव शुण कइ लेहरी गा, त बोलु, "तु अपु खच्चरे रले गिण सकता ना कि कति असी। त तु मोउं जे बोल कि तैं खच्चरे पुछणी रले कति असी?"

रामू बोता, "ऑ, मैं खच्चरे पुछणी रले तति असी, जेति तैं दाढ़ी बाइ असे।"

टेके पंडिते बोलु, "तु कीं साबित कता।"

रामू जबाव दुतु, "अउं आरम जुएई साबित कइ सकता! ए सुखतु असु। अगर यके टेम अन्तर में खच्चरे पुछणी रले त तैं दाढ़ी बाइ खतम ना भोल त फि अउं मान घेन्ता कि अउं गलत असा।"

पर टेका पंडित राजि ना भुआ। त ग्रां बाड़ी बोल छउ कि रामू सोबी केईआ अक्लदार ता बुध्दिमान असा।"

मीठि बोके

जीतणे लिए जे बि चीज असी, त से भो परेम। पीणे लिए जे बि चीज असी, त से भो लेहर। खाणे लिए कोइ चीज असी, त से भो गम। देणे लिए कोइ चीज असी, त से भो दान। हरालणे लिए कोइ चीज असी, त से भो दया-धर्म। नेणे लिए कोइ चीज असी, त से भो ज्ञान। बोलुणे लिए कोइ चीज असी, त से भो सच्चु। रखणे लिए कोइ चीज असी, त से भो इज्जत। फटाणे लिए कोइ चीज असी, त से भो जड़ाण। छड़ देणे लिए कोइ चीज असी, त से भो मोह-माया।

बुटे की असे ?

ए जमदार के चुर के जोटणे जुण भिंत
ए मछवारी के दीरोउ पार टपाणे कश्ती भो
ए गबाले बकरी के दिसास भिंत
ए मिस्तरी के मेज भो
ए ग्रांए के खांजे बाणाणे कठोड़ भिंत
ए धुप किया बचणे बोझ भिंत
ए मेध कियां बचणे छतरोड़ भिंत
ए गभुर के खेलणे दांग भो
ए पखूर के त बंनुर के गी भिंत
ए हे सोभी के बगी के जन बोही किंया रोकते
ए असी सोभी जे मोटी छापीरी भिंत
पृथ्वीए दीसे तेस धुप किंया बचंता
ए हें पृथ्वीए भाश भिंत
बुटे हवा बणाणे कम कते जे अस सांस नेंते
बुटे हें जीनी सांस भिंत

नमः कृषि वर्मा कक्षा चौथी रोल न. यक
सकूलः सैरी भटोस

बिड्डी सरगटी त अराख ना पिए

बिड्डी सरगटी के बेलि हें भाश अन्तर रोग भुंता। पर आजकले गेभुर ना मान्ते। तेन्ही हें बोके बुरी लगती किस कि तेन्ही लगतु कोंउ हें बारे बुरु बोते। पर तेन्ही ना भुंता पता कि से हें बारे कुछ ना चाहंते। आज कल सोभी फिल्मी त मेशुरी बठ बी ए बोते की बिडडी सरगट ना पिए। तेसे बेलि तुसी केनसर भुंता। सरगटे त बिडडी डेबुड़ बठ कती डुरोणी फुटो लोओ असी। फि बी तुस किस नेइ मानण लगो। मेहणुओ! तुस कपल सुध ारते। यक टेम ई एण असा कि कुआ त बुड़ा साते बिश कइ बिडडी सरगट त अराक पिंते। तुस कि ई चहांते ना कि तुं गेभुर तुसी जोई बिश कइ अराक बिडडी पिए।

यक टेम थिया कि जीण मरण विडडी त सरगटी के बेलि मेहणू यक त सुआ नुकसान भुंताथ, दोका त जे बचारे मेहणू ना पींतेथ तेन्ही बी तेंके तु मजबुरी अन्तर पीण एंता जे बचारे बमेरी बाड़े भुंते। तेन्ही सीती मुशकल भुंतीथ। पर होरे से कोडीया मानते। हें पांगेई किछ किछ जगेही त आती सुधीरी गओ असी ना कि जीण मरण जेन बी जमदारे अन्दर बिडडी पी त तेस 500रु डान देन एता। से त यक पुरा बेड़ीया रुल बणाओ असा। तिहांणी रुल सोभी जगही बणो लोता जेणे बोली की हें पुरी पीटी सुधीरी सकिएल। एचेली अब हें पुरे पांगेई अन्तर फिर टाजोटी के त गरंओटी के टेम आओ असी त तुस ई एन्ही बोकी बट बोक कइ सकते जेसे बेलि की तु धन त तु जन बी सुखी रेही सकीएल।

बो ना कि अपु हाते बइ अपफ जे मोत खेरीदीं। से बोक हें चद एंती अब किस कि 100रु यक बोतल अराखे पीणे बेलि केसेरी जीनी नाश भोई सकता, किस कि हें पांगेई अब 3,4 महेन बोटे भारी सक्त एंते मथलव की बोटु भारी ठानु भुंतु, जेसे बेलि कि हर साल हें पांगेई 20,30 मेहणू मरते। त तेंके सोभ टब्बरा बचरा बरबाद भोई धेता। तुसी पता भोल कि केसेरी गी अगर पुरश ना भुआ त तेस टब्बरे जिल्हेणू कती मुशकिल भुंती अपु टब्बर पाड़णे। इसलिए तुसी कियां हथ जोड़ी कइ छानेआरे कते कि तुस विड्डी सरगट छड़ देणे कोशिश करे। तुस त तुं धन तेसे बेलि बच रहेंता।

ई

ई त भो से तेसे प्रमे सचा असा।
एसे बजन जीणे सोच सच्ची नेई।
ई त प्रेमे मुर्ती भो।
एथ अन्तर बासो असी देवी सूरत।
ई से भो जेसे कोई परिभाषा नेई।
एस कियां दूर बिशणे चेता असी तीं तड़पतां।
एसेरी दिल अन्तर त असा प्रेमे दिरीयोउ।
ए न समझती कोउं में त कोउं पराया
ईए ऋण कोई ना चुकाई सकता।
ईए खुरी पहाण असा स्वरगे सुख।
ई त भो जेसे प्रेम सचा असा।
एस बजन जीणे सोच सच्ची नेई।

नउ सरला कुमारी

पांगेई बारे कुछ बोक

सोबी कियां पेहला किलाड़े सैरी भटोस ग्रां कियां बतांता। पुराणे टेम हें भटोस चोउरे टोल थीए। यक टनवाणीए, मीसरीएणीए, देलवाणीए, धेतवाणीए। पेहला बोते भटोस लियोस गोट धे थी। यक पुराणी बोक भो कि तेठीयां कुफ ठाकुरे जे ब्याहा थिया। त तेठी केहु बोलो थी 'अगर इस घर पहाण दुई नागारे यक साथ मिए त तुसी एठीया घर उजाड़ ऐंता।' कुरदीती, तेस कुफ ठाकुरे कियां बी नागारा आ दे तेठी चुल बठ होरा नगारा टाई छा। केहु बलाए बेश अओ थिया। तेन से दुहो नगारे तेठी चुल बठ बाने दे बोलू कि 'तुस ईठया नशी घीए।' तोउं से तेठीया नाशी गे त भटोस एई कइ बासे। आज हें ग्रां लगभग 36 टोल भो असे।

1. देहेरी के बारेः–

सोबी ग्रांई केसे ना केसे देवी या देवती के देर पका असे त ग्रां सोब मेहणु अपु अपु कुल देवती के देहेर हर धेनीसे घेतें। ए देहेर सद हिंयुत टाई महेन बन भुंते। उटेणे धेनीस कियां त लिशु धेनीस तकर तेस सोबी देहेरी के टोई खुलती त सोब मेहणु तेस देहेर घेंते। तिएस सोबी कियां जादे मेहणु पुंटो भुंते किस कि मेहणु पुन्टो जे दिया घीन घेंते। त तेठी सुआ मेहणु भुंते । होसण देहेर आठभारोए खुलता। तिएस तेटी सुआ हुसुड़ा भुंता। तोउं माता कुटासणी देहेर बी खुलता। किरयोती पुनीहरे देहेर बी लिशु तिएस खुलता। कुफ माता सिंघेसनी देहेर बी तिएसे खुलता। कवास नाग नियोकने त चोनी देर बी तिएस खुलता तेस भटोस पनीहारे देर बी तिएस खुलता।

पांगेई सोबी कियां जादु मन्हले माताई, सिद्ध मन्दिर ''बुनी देहेर'', मलासण माताई, माता माल देई, बेलीणु बेसनी, शीतला माताई मानते। तीं त पुरे पांगेई भरी देवी देवते असे, पर सोबी किईया जादे मेहणु इन्ही देहरी घेंते। पांगेई सोबी कुणी देहेर असे।

2. रोड़ी के बारेः–

यक टेम पुरे पांगेई यक बोक बोते कि कुई त उव्वार कियां पार देण ना, त भीए पेर कियां ते देण। ए यक बोक पुराणे मेहणु किस बोलो भोल भला? किस कि पेहला मेहणु यक जगही कियां होर जगही जे घेण केतु टेम लग घेंतीथ। तोउं त से तीं तीं उजबाण बणातेथ। तेनी टेमी हें पांगेई रोड़ी बते नेओथ। तोउं त पेहलकणे से मेहणु कुरहे दूर कुई देण हेर डरतेथ त बोतेथ कि जे जगहा कुस्तुरी लगतीथ तेस बात घोड़ फटाई छांण त दुबारी तेस बात न घेंतेथ। तेती कुस्तुरी बते भुंतीथ, जेठी की मेहणु जान बी घेई ध ोंतीथ। आज हें पुरे पांगेई कुछ 3, 4 ग्रां भोल जे रोड़ जोई नेई मियो। बाकी त सोबी ग्रांई जे रोड़े बणो असी। आज हें पुरे पांगेई 40,50 त बाईक भोई गो असी। त लगभग 50,60 कियां त जादी गाडी भोई गो असी।

3. गोठी के बारेः–

पुरे पांगेई अन्तर सोबी ग्रांई के अपु अपु गोठ असे। से पुरे वारशाढ़ भइ गोठी बिश्ते। गोठी बिश्त किस? बास्ते ढेडुड़ त गोरु अन्तर खा कते त से अपफ बी लुगरी के बेलि कमजोर भोई गो भुंते। ता तेंके बेलि जादु हेटींतु बी नउ। त तेस बझाई जोई तेन्ही गोठ धें नेन्ते। गोरु लेहु धनीस जे गोरु जे नेन्ते त कोई कोई नधोई पात 18,20,22 गोट कइयां गी जे आणी छांते बाजी बाजी आलुए धेनीसे तिस बाजी बाजी टेघु जाट जे बी गोठ कइयां गी जे एन्ते। सुराल बणे त जाई कोई फुल्याटी 6,7 गी धे एन्ते।

उ बिजली बारेः–

बिजली हें पांगेई अब त 4,5 बिजली पावर हाउस भोई गो असे। एनी बुच यक पावर हाउस आतो बिजली देंता कि से अधो शुद्ध पांगेई बिजली देंता। से पावर हाउस साच असा, किस कि तेसे बिजली पुर्थी कियां त करेस तकर असी।

सोलार प्लांटः–

इस फेरी हें पांगेई सोलार प्लांट बी दुतो असे। त तेसे बेलि बी आधो–शुद्ध ग्रां बिजली फेदा नेण लागो असे, जे कि यक किलोवाट बिजली देंते। एसे बेलि 9,10 टोल बिजली आपु आपु गी लाई सकते। सद यक यक बलब यक टोल त तेन बइ टि.वी. बी हेर सकते।

ऊ लिखतरी के बारेः–

पुरे पांगेई तुसी लिखतरी बाड़े घोड़ मेते। ए घोड़ सोबी कियां जादे तुसी तेठी मेते जेठी पुराणे टेमी पाणी पनीहेरे भुंते। तेठी सोबी केइयां जादे मेते। ए लगभग 1100 साल पुरणे असे।

रिश्ता

जिन्दगी पिछाण भो रिश्ता,
सुखे-दुखे महरवान भो रिश्ता।
कपले जुड़ते त कपले टूटते ए रिश्ते,
कपले मिते त कपले उशकते ए रिश्ते।
कपले धुप त कपले शोलियार ए रिश्ते,
जिन्दगी पिछाण भो ए रिश्ते।
कपले खुशी घिन कइ एन्ते ए रिश्ते,
कपले गम साया बण घेन्ते ए रिश्ते।
कपले डुबणेवाड़ी सहारा देन्ते ए रिश्ते,
कपले अपु तन्हि बि बेगाना बड़ाई छते ए रिश्ते।
कपले धुप त कपले शोलियार ए रिश्ते,
जिन्दगी पिछाण भो ए रिश्ते।
कपले हसंते त कपले रोलांते ए रिश्ते,
कपले प्रैम बण कइ ईं समाड़ते ए रिश्ते।
टोड़णे बेलिए कपले बि ना टूटते ए रिश्ते,
सुख-दुख जोइ हें सात असे ए रिश्ते।
कपले धुप त कपले शोलियार ए रिश्ते,
जिन्दगी पिछाण भो ए रिश्ते।
रिश्ती के अन्हि धागी ईं ना टोड़े,
हंसि कइ गड़े लए अन्हि केआं मुँह ना मोड़े।
यक लिंगि उशकि कइ टूट घेन्ते ए रिश्ते,
तोउं लख करियल कोशिश, कदि ना जुड़ते ए रिश्ते।

चुटकले

1 डाक्तर: अगर तु में दवाइ बेलि ठीक भोई घियाल त तु मेन्धे की इनाम देन्ता?

मरीज: डाक्तर साहाब, अउं त गरीब मेह्णु असा। अउं मेह्णु के कब्र खनता। त तुं कब्र फ्री अन्तर खन देन्ता।

2 कोये बाड़े: हें कुआ अन्तर वैसे कोई कमी असी नोउ। बस सद हसण वकत दान्त कुस्तुरे लगते।

कुई बाड़े: कोई गल नेई। ब्याह केआं बाद हें कुई तस हसण कोढ़ी देन्ती।

शहीदे अखिरी बोके

सथिया गी घेई कइ ना बोलुण,
सद भाश कर कइ समझाण।
ई में हाल पुछिएल त ऑखु फटाई छाण।
तोउं बि ना समझेल त उडरता जन हराल छाण।
भेण में हाल पुछिएल त शुन्नु हथ हरालुण।
भाई में हाल पुछाल त शुन्ने बहोड़ हराल छाण।
तोउं बि ना समझेल त शुखो फियुड़ हराल छाण।
में जुएली में हाल पुछिएल त शुन्नी बथ हराली छाण।
तोउं बि ना समझेल त उजड़ो जगा हराल छाण।
समाज में हाल पुछियाल त पीठ हराल छाण।
तोउं बि ना समझेल त अम्मरे तारे हराल छाण।
में दिलवर, तु में अतीत जाणणे बगैर रोली गा।
तुं कोउं भक्त या साथी थिया जे देशे लिए अमर भोई गा।

तुबारि मासिक पत्रिका

♦अस इ उम्मिद करुं लगो असे कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेह्णु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।

♦इस *तुबारि* मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ू जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।

♦*तुबारि* यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦*तुबारि* पत्रिका कोई मेह्णु, जनजाति, त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेह्ले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेह्णु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेह्लि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेह्णु के साथोट ना मिएल त *तुबारि* पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।

♦कोई चीज छपां असी या नेई छपां जे *तुबारि* संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर *तुबारि* ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।

♦अस सोबी पांगी मेह्णु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि, तुस बि कोई अच्छा अर्टिक्ल, पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंघे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम
9418431531
9418429574
9418329200
9418411199
9418904168
9459828290